



दयानन्द ग्रन्थमाला

ऐप की सचित्र मार्गदर्शिका

सब सुविधाएँ — चित्र सहित, चरण-दर-चरण

महर्षि दयानन्द सरस्वती के ग्रन्थों का डिजिटल संग्रह



GET IT ON
Google Play



Download on the
App Store

इस पुस्तिका में

नीचे किसी भी पंक्ति पर **दबाइए** — आप सीधे उसी भाग पर पहुँच जाएँगे।

1. यह पुस्तिका किसलिए
2. मुखपृष्ठ
3. खोज — पूरी ग्रन्थमाला में एक साथ
4. खोज को थोड़ी पुस्तकों तक सीमित करना
5. इसी पुस्तक में खोज
6. एक-एक मिलान पर
7. पढ़ने का पन्ना
8. नीचे के पाँच बटन
9. विषय सूची
10. अक्षर का आकार, संरेखण और फ़ॉन्ट
11. थीम और उजाला
12. अंश चिह्नित करना (हाइलाइट)
13. रंग चुनना और रंग बदलना
14. रँगें हुए अंश पर दुबारा
15. नोट लिखना
16. नोट पन्ने पर कैसा दिखता है
17. अनुवाद
18. इसी अध्याय का संग्रह
19. संग्रह — सारी पुस्तकों का
20. प्रिय पुस्तकें
21. पुस्तक सुनना
22. सुनने की सेटिंग्स
23. टिप्पणियाँ
24. सूत्र — «पृष्ठ २१ में लिखे प्रमाणे»
25. पृष्ठ-संकेत की पेटी
26. अधूरे मन्त्र की पेटी
27. अधिक विकल्प
28. सेटिंग्स — भाषा और अक्षर
29. सेटिंग्स — थीम और पूरी स्क्रीन
30. सदस्यता
31. हमारे बारे में
32. हमारे अन्य वैदिक ऐप्स
33. कुछ काम की बातें

१. यह पुस्तिका किसलिए

दयानन्द ग्रन्थमाला महर्षि दयानन्द सरस्वती के ग्रन्थों का डिजिटल संग्रह है। इस समय इसमें **२४ पुस्तकें** हैं, और नई पुस्तकें जुड़ती रहती हैं।

ऐप में पढ़ने के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ है — पूरी ग्रन्थमाला में एक साथ खोज, मनचाहे अंश रँगना, अपने नोट लिखना, पुस्तक को सुनना, अक्षर-थीम-फ़ॉन्ट बदलना, और टिप्पणियों तथा दूसरे पृष्ठों तक सीधे पहुँचना।

यह पुस्तिका उन्हीं सब सुविधाओं को **चित्र सहित** समझाती है। बायीं ओर बात लिखी है, दायीं ओर उसी का चित्र है; चित्र में लगे अंक और नीचे दी गई सूची के अंक आपस में मिलते हैं।

ऐप पूरी तरह **बिना इंटरनेट** के चलता है — सब पुस्तकें फ़ोन में ही रहती हैं। ऐप **हिन्दी, English और गुजराती** तीन भाषाओं में चल सकता है; पुस्तकों का पाठ सदा हिन्दी-संस्कृत में ही रहता है।

२. मुखपृष्ठ

ऐप खोलते ही मुखपृष्ठ आता है। यहाँ सब पुस्तकें एक सूची में हैं।

किसी पुस्तक पर दबाते ही वह **वहीं से खुलती है जहाँ आपने पिछली बार छोड़ा था** — अध्याय भी वही, और पन्ने की वही जगह।

- १ खोज** — यहाँ कोई भी शब्द लिखिए और वह पूरी ग्रन्थमाला में ढूँढ़ा जाएगा। दायीं ओर का चिह्न ऐप को दूसरों तक भेजने के लिए है।
- २ कुल पुस्तकों की गिनती** — इस समय ग्रन्थमाला में कितनी पुस्तकें हैं।
- ३ पुस्तक** — नाम पर दबाते ही पुस्तक खुल जाती है। दायीं ओर का **तारा** दबाने से वह पुस्तक «प्रिय पुस्तकें» में जुड़ जाती है।
- ४ कितना पढ़ लिया** — हर पुस्तक के नीचे लिखा रहता है कि आप उसका कितना भाग पढ़ चुके हैं।
- ५ नीचे की पट्टी** — मुखपृष्ठ · संग्रह · प्रिय पुस्तकें · अधिक।

नई जुड़ी पुस्तक पर कुछ दिन **«नई पुस्तक जोड़ी गई»** की हरी पट्टी दिखती है। पुस्तक एक बार खोल लेने पर वह पट्टी अपने-आप हट जाती है।

«संग्रह» के ऊपर लाल अंक तब आता है जब आपने पिछली बार के बाद कोई नया चिह्न या नोट बनाया हो।



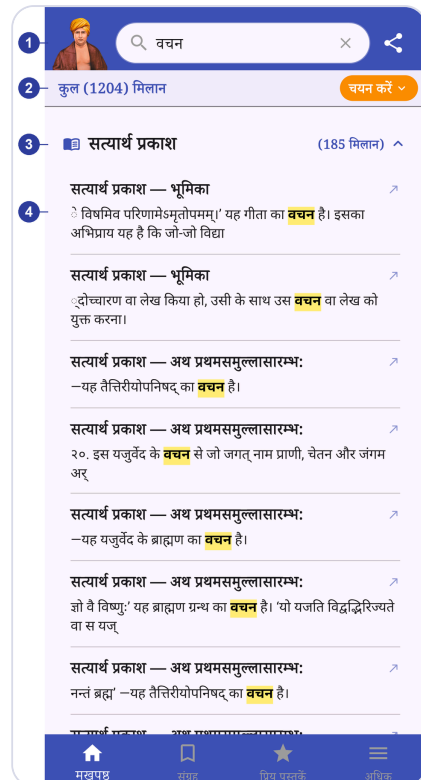
३. खोज — पूरी ग्रन्थमाला में एक साथ

मुखपृष्ठ की खोज-पट्टी में शब्द लिखते ही ऐप चौबीसों पुस्तकों के भीतर ढूँढ़ने लगता है — पुस्तकों के नाम में भी, और उनके पूरे पाठ में भी।

परिणाम पुस्तक-वार समूहों में आते हैं। किसी परिणाम पर दबाते ही वह पुस्तक ठीक उसी स्थान पर खुल जाती है, और खोजा हुआ शब्द वहाँ पीले रंग में उभरा हुआ मिलता है।

- 1 **खोजा हुआ शब्द** — दायीं ओर के X से खोज मिटाई जा सकती है।
- 2 **कुल मिलान** — पूरी ग्रन्थमाला में कितनी जगह वह शब्द मिला।
- 3 **पुस्तक का नाम और उसमें कितने मिलान** — दायीं ओर के तीर से वह समूह खोला-बन्द किया जाता है।
- 4 **एक परिणाम** — ऊपर पुस्तक और अध्याय, नीचे उसी वाक्य का अंश। दबाते ही वहाँ पहुँच जाएँगे।

परिणाम देखकर लौटने पर सूची वहीं की वहीं मिलती है, और जिस परिणाम पर आप गए थे उसकी किनारी इंडिगो रंग की रहती है — ढूँढ़ना नहीं पड़ता।

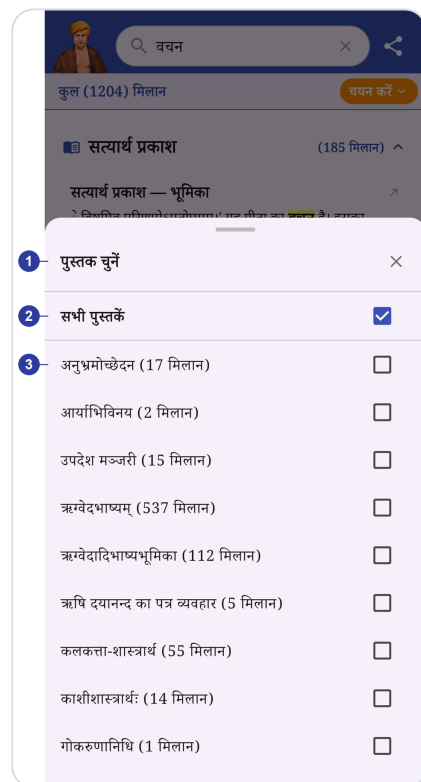


४. खोज को थोड़ी पुस्तकों तक सीमित करना

यदि आपको किसी एक ही ग्रन्थ में देखना हो, तो «चयन करें» दबाइए। वहाँ हर पुस्तक के आगे लिखा रहता है कि उसमें कितने मिलान हैं।

एक या कई पुस्तकें चुन लीजिए — परिणाम तुरन्त उतने ही रह जाएँगे। चयन हटाना हो तो ऊपर की पट्टी में बने X से हट जाएगा।

- 1 **पुस्तक चुनें** — यही वह पन्ना है।
- 2 **सभी पुस्तकें** — एक ही बार में सब चुनने या हटाने के लिए।
- 3 **प्रति पुस्तक मिलान** — कोष्ठक में उस पुस्तक के मिलानों की संख्या।

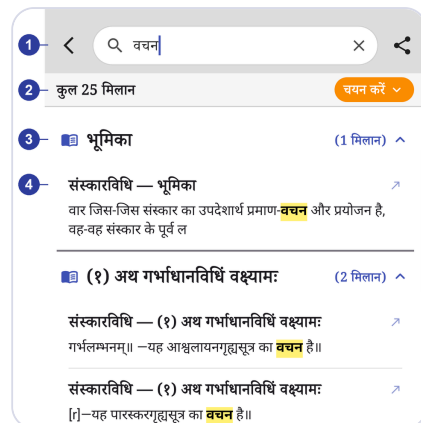


५. इसी पुस्तक में खोज

मुखपृष्ठ वाली खोज पूरी ग्रन्थमाला में चलती है। पर जब आप कोई पुस्तक पढ़ रहे हों और **उसी के भीतर** कुछ ढूँढ़ना हो, तो ऊपर की पट्टी में «{पुस्तक} में खोजें...» लिखा मिलता है।

शब्द लिखते ही परिणाम **अध्याय-वार** समूहों में आ जाते हैं, और हर समूह के आगे लिखा रहता है कि उसमें कितने मिलान हैं।

- 1 **खोज की पट्टी** — ✕ से खोज मिटती है, बायें तीर से खोज छूट जाती है।
- 2 **कुल मिलान**, और दायीं ओर «**चयन करें**» — केवल कुछ अध्यायों तक सीमित करने के लिए।
- 3 **अध्याय का नाम** और कोष्ठक में उसके मिलान। तीर से वह समूह खुलता-बंद होता है।
- 4 **एक परिणाम** — दबाते ही पन्ना ठीक उसी स्थान पर पहुँच जाता है।

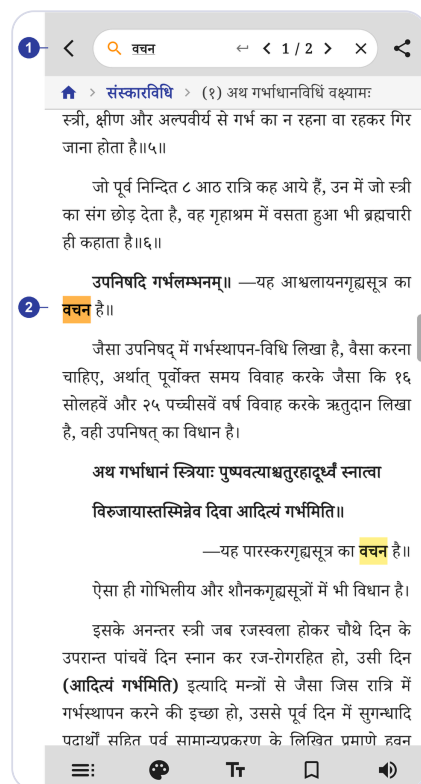


६. एक-एक मिलान पर

किसी परिणाम पर दबाते ही ऊपर की पट्टी बदल जाती है और **मिलानों की गिनती** दिखाने लगती है।

यहाँ से आप बिना सूची में लौटे ही एक मिलान से दूसरे पर जा सकते हैं। जिस शब्द पर आप इस समय खड़े हैं वह **नारंगी** दिखता है, और उसी अध्याय के बाक़ी मिलान पीले।

- 1 **मिलान-पट्टी** — ‹ और › से पिछला-अगला मिलान, बीच में «कौन-सा / कुल», और ✕ से खोज हटाना। बायें ⇐ से परिणामों की सूची पर लौट सकते हैं।
- 2 **इस समय का मिलान** — नारंगी। शेष मिलान पीले रहते हैं।



७. पढ़ने का पन्ना

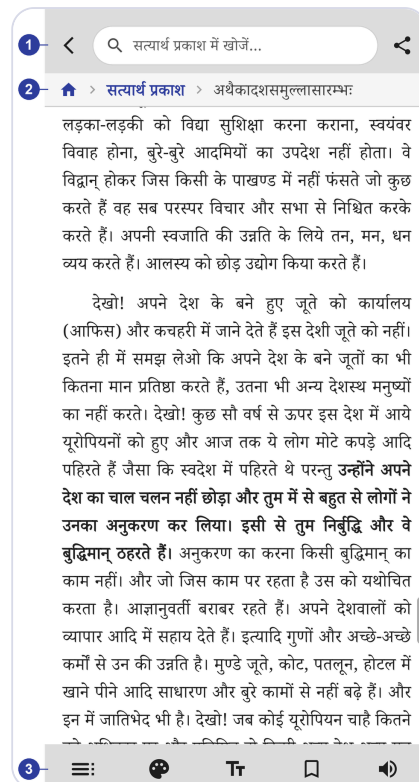
पुस्तक खुलते ही पढ़ने का पन्ना आता है। यहाँ ऊपर एक पट्टी है, बीच में पाठ, और नीचे पाँच बटनों की पट्टी।

पाठ पर **एक बार टैप** करने से दोनों पट्टियाँ छिप जाती हैं और पूरा परदा पढ़ने को मिल जाता है; फिर से टैप करते ही वे लौट आती हैं।

- 1 **इसी पुस्तक में खोजें** — केवल इसी ग्रन्थ के भीतर ढूँढ़ने के लिए। बायें तीर से पुस्तक बन्द होती है।
- 2 **रास्ता-पट्टी** — 🏠 > पुस्तक का नाम > अध्याय का नाम। पुस्तक के नाम पर दबाने से «विषय सूची» खुलती है, और 🏠 से सीधे मुखपृष्ठ पर पहुँचा जाता है। यह पट्टी कभी नहीं छिपती।
- 3 **नीचे के पाँच बटन** — इनका विवरण अगले भाग में है।

जहाँ तक आप पढ़ चुके हैं, वह अपने-आप सँभल जाता है। पन्ना सरकाते समय ऊपर दायीं ओर एक छोटी काली टिकिया में **प्रतिशत** भी दिखता रहता है।

हर अध्याय के अन्त में **पिछला** और **अगला** अध्याय के बटन मिलते हैं, जिन पर उन अध्यायों के नाम लिखे रहते हैं।



८. नीचे के पाँच बटन



- 1 **विषय सूची** — अध्यायों की सूची।
- 2 **थीम बदलें** — पन्ने का रंग और उजाला।
- 3 **अक्षर** — आकार, संरेखण और फ्रॉन्ट।
- 4 **संग्रह** — इसी अध्याय के चिह्न और नोट। ऊपर लाल अंक बताता है कि इस अध्याय में कितने चिह्न हैं।
- 5 **सुनें** — पुस्तक को सुनाना आरम्भ।

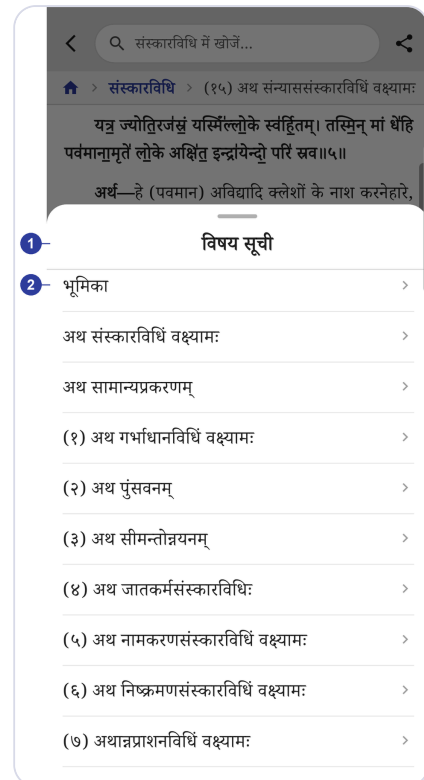
९. विषय सूची

नीचे के पहले बटन से — या ऊपर रास्ता-पट्टी में पुस्तक के नाम पर दबाने से — विषय सूची खुलती है।

जिस अध्याय में आप इस समय हैं, सूची अपने-आप वहीं खुलती है और उस अध्याय पर **हरा निशान** लगा रहता है।

- 1 **विषय सूची** — ऊपर की रेखा को नीचे खींचकर इसे बन्द भी किया जा सकता है।
- 2 **अध्याय** — नाम पर दबाते ही वह अध्याय खुल जाता है।

ऋग्वेदभाष्यम् जैसी बड़ी पुस्तकों में अध्याय **मण्डलों के समूहों** में बँटे मिलते हैं। जिस समूह में आप हैं वही खुला रहता है, बाक़ी बन्द — जिससे सूची छोटी और साफ़ रहती है।



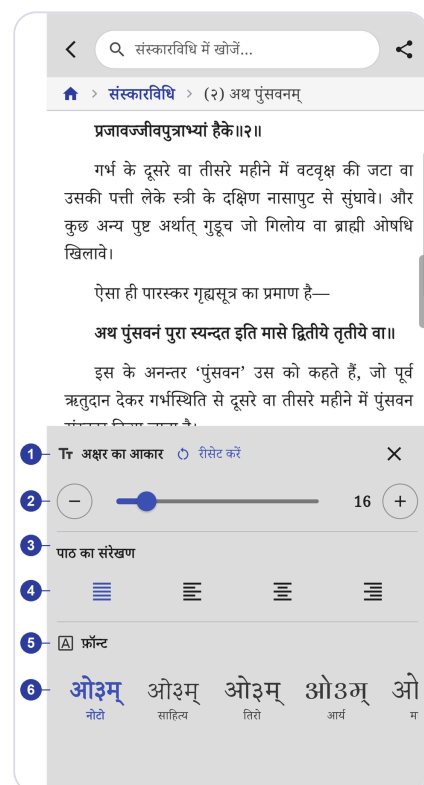
१०. अक्षर का आकार, संरेखण और फ़ॉन्ट

नीचे के बीच वाले बटन (Tt) से यह पट्टी खुलती है।

अक्षर का आकार **दो अंगुलियों से चुटकी भरकर** भी बदला जा सकता है — जैसे चित्र बड़ा-छोटा करते हैं। जो आकार आप छोड़ेंगे, वही अगली बार भी मिलेगा।

- 1 **अक्षर का आकार** — «रीसेट करें» दबाने पर मूल आकार लौट आता है।
- 2 **- और +**, बीच में सरकने वाली पट्टी, और दायीं ओर इस समय का आकार।
- 3 **पाठ का संरेखण**।
- 4 चार रूप — **दोनों ओर बराबर**, बायें, बीच में, दायें।
- 5 **फ़ॉन्ट**।
- 6 दस फ़ॉन्ट — नोटो, लैला, साहित्य, तिरो, आर्य, हलन्त, मार्तेल, मुक्ता, वेस्पर, कर्म। हर एक पर «ओ३म्» लिखकर दिखाया गया है, जिससे चुनने से पहले ही रूप दीख जाए।

जिन पुस्तकों में मन्त्र **स्वर सहित** हैं, वहाँ नीचे एक सूचना आती है कि स्वर सबसे सुरक्षित रूप में देखने के लिए **नोटो** फ़ॉन्ट रखिए। ऐसी पुस्तकों में फ़ॉन्टों की सूची जान-बूझकर छोटी रखी गई है।



११. थीम और उजाला

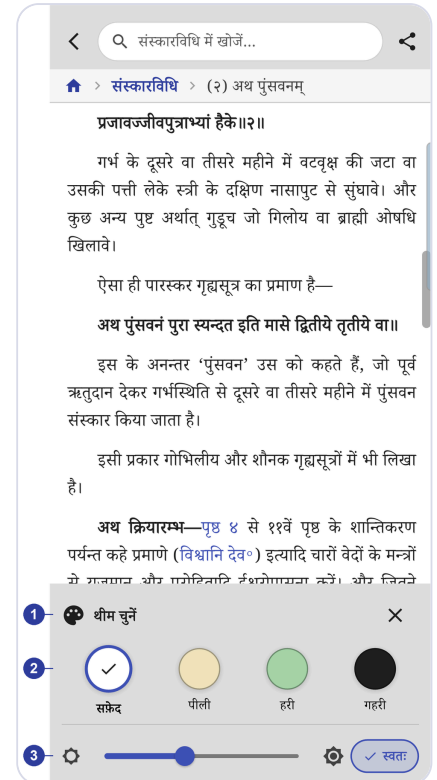
पन्ने का रंग चार प्रकार का हो सकता है। रात में **गहरी** थीम आँखों को सुख देती है, दिन में **सफ़ेद** या **पीली**।

यहीं से पढ़ते समय का **उजाला** भी घटाया-बढ़ाया जा सकता है, बिना ऐप से बाहर गए।

- 1 **थीम चुनें।**
- 2 चार रंग — **सफ़ेद, पीली, हरी, गहरी**। जो चुनी हुई है उस पर सही का निशान रहता है।
- 3 **उजाला** — पट्टी सरकाकर घटाइए-बढ़ाइए। «स्वतः» दबाने पर उजाला फिर से फ़ोन के हवाले हो जाता है।

यहाँ से चुनी हुई थीम आगे हर पुस्तक में भी लागू हो जाती है।

यदि आपने थीम स्वयं नहीं चुनी और फ़ोन गहरे रंग में चल रहा हो, तो पुस्तक अपने-आप **गहरी** थीम में खुलती है।



१२. अंश चिह्नित करना (हाइलाइट)

किसी शब्द पर **देर तक दबाइए** — वह चुन लिया जाएगा। दोनों ओर के गोले खींचकर चयन छोटा-बड़ा कीजिए; चयन **कई अनुच्छेदों तक** फैल सकता है।

चुनते ही ऊपर एक पट्टी आती है। उसे बायें-दायें सरकाने पर और भी काम दिखते हैं।

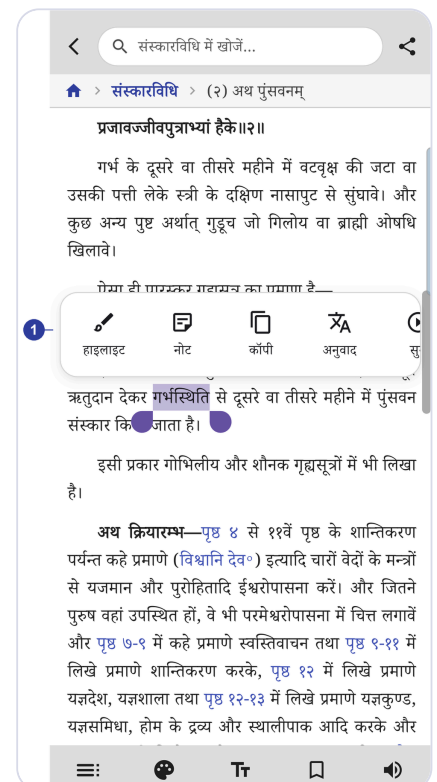
- 1 **चयन की पट्टी** — हाइलाइट · नोट · कॉपी · अनुवाद · सुनें · साझा · खोजें।

हाइलाइट — अंश को रँग देता है। **नोट** — रँगकर उस पर अपनी बात लिखने देता है।

अनुवाद — चुने हुए अंश का अनुवाद, चालीस से अधिक भाषाओं में। **सुनें** — केवल चुना हुआ अंश सुनाकर रुक जाता है।

खोजें — वही अंश इसी पुस्तक में और कहाँ आया है, तुरन्त दिखा देता है।

एक बार में लगभग बारह सौ अक्षर तक चुने जा सकते हैं; उससे आगे बढ़ने पर ऐप स्वयं बता देता है।



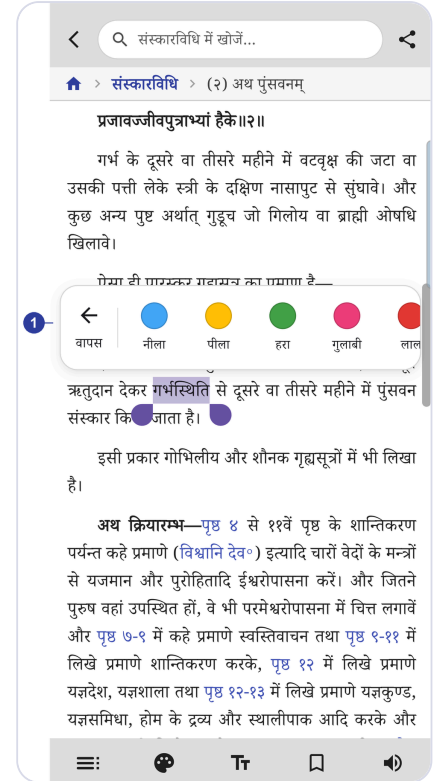
१३. रंग चुनना और रंग बदलना

«हाइलाइट» दबाते ही वही पट्टी रंगों की पट्टी बन जाती है। छह रंग हैं — नीला, पीला, हरा, गुलाबी, लाल, मोरपंखी।

बाद में यदि रंग बदलना हो या चिह्न हटाना हो, तो **रंगे हुए अंश पर एक बार दबाइए** — वहीं छोटी पट्टी उठ आएगी।

1 **रंगों की पट्टी** — बायें «वापस» से पिछली पट्टी पर लौट सकते हैं।

नीचे का चित्र वही पट्टी है जो पहले से रंगे हुए अंश पर दबाने से आती है — इसमें बायीं ओर **हटाएँ** भी होता है और शेष रंग भी।

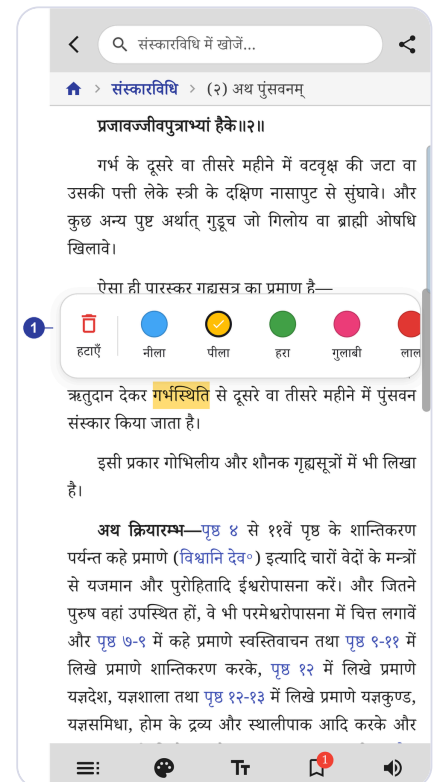


१४. रंगे हुए अंश पर दुबारा

रंगे हुए अंश पर दबाने से यह पट्टी आती है।

1 **हटाएँ और छह रंग** — जो रंग इस समय लगा है उस पर सही का निशान रहता है।

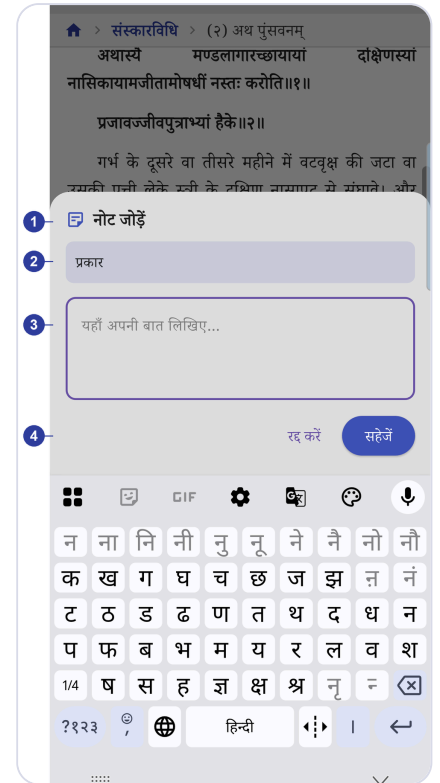
चिह्न हटाने पर नीचे एक सूचना आती है जिसमें «पूर्ववत् करें» लिखा होता है — भूल से हट जाए तो तुरन्त लौटाया जा सकता है।



१५. नोट लिखना

चयन की पट्टी में «नोट» दबाते ही यह पन्ना खुलता है। ऊपर वह अंश दिखता है जिस पर नोट लगेगा, नीचे लिखने की जगह।

- 1 **नोट जोड़ें** — पहले से नोट हो तो यहाँ «नोट बदलें» लिखा आता है।
- 2 **वह अंश** जिस पर नोट लग रहा है।
- 3 **अपनी बात** — जितना चाहें लिखिए।
- 4 **रद्द करें और सहेजें**।

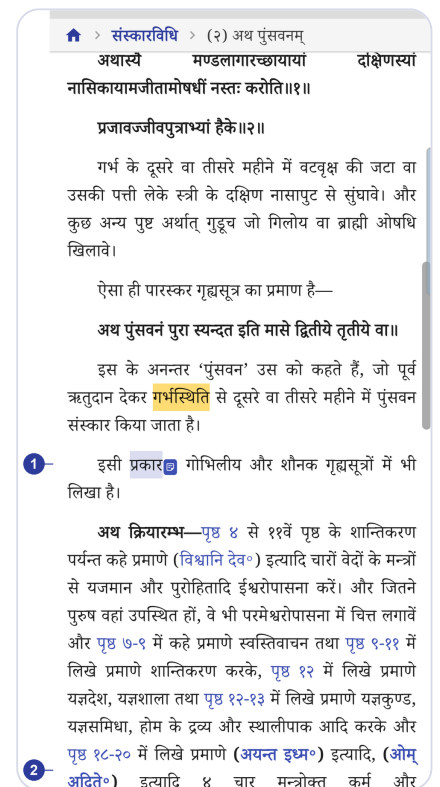


१६. नोट पन्ने पर कैसा दिखता है

नोट सहेजते ही वह अंश हल्के इंडिगो रंग में हो जाता है और उसके आगे एक छोटा **नीला चिह्न** लग जाता है।

नोट पढ़ने के लिए **उसी चिह्न पर** दबाइए। रँग हुए पाठ पर उँगली लग जाने से नोट नहीं खुलता — जिससे पढ़ते-पढ़ते बीच में पेटी न उठ आए।

- 1 **नोट का चिह्न** — इसी पर दबाने से नोट खुलता है।
- 2 **संग्रह का बटन** — ऊपर लाल अंक बताता है कि इस अध्याय में कितने चिह्न हैं।



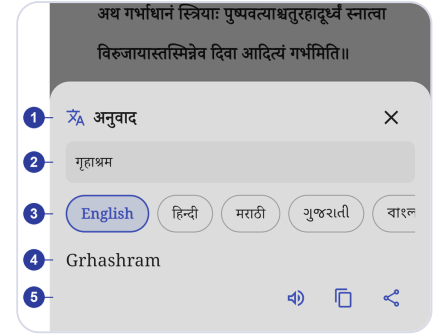
१७. अनुवाद

चयन की पट्टी में «अनुवाद» दबाते ही चुना हुआ अंश नीचे की पेटी में अनूदित हो जाता है।

चालीस से अधिक भाषाएँ उपलब्ध हैं — अंग्रेज़ी, मराठी, गुजराती, बांग्ला, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, संस्कृत आदि। «और भाषाएँ» दबाने पर पूरी सूची खुल जाती है।

- 1 अनुवाद — पढ़कर X से बंद कर दीजिए।
- 2 मूल अंश — जो आपने चुना था।
- 3 भाषाएँ — सरकाकर और भी भाषाएँ मिलेंगी।
- 4 अनुवाद।
- 5 सुनें • कॉपी • साझा — अनुवाद को सुना, नकल किया या भेजा जा सकता है।

यह एक ही सुविधा है जिसके लिए इंटरनेट चाहिए — शेष सब ऐप फ़ोन में ही कर लेता है।



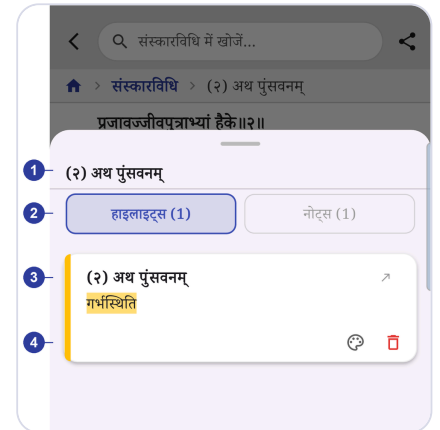
१८. इसी अध्याय का संग्रह

नीचे के चौथे बटन से इसी अध्याय के चिह्न और नोट एक साथ दिखते हैं।

किसी पंक्ति पर दबाते ही पन्ना ठीक उसी स्थान पर पहुँच जाता है।

- 1 अध्याय का नाम।
- 2 दो खाने — हाइलाइट्स और नोट्स, दोनों के आगे उनकी संख्या। इन्हें दबाकर भी और बायें-दायें सरकाकर भी बदला जा सकता है।
- 3 एक पंक्ति — दायें ऊपर के तीर से उस स्थान पर पहुँच जाएँगे।
- 4 रंग बदलें और हटाएँ।

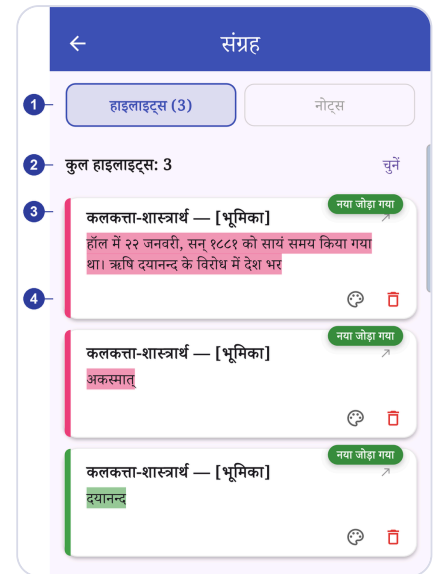
ऊपर «चुनें» दबाकर एक साथ कई चिह्न चुने और हटाए जा सकते हैं।



१९. संग्रह — सारी पुस्तकों का

नीचे की पट्टी के «संग्रह» से आपके सब चिह्न और नोट एक ही जगह मिलते हैं — चाहे वे किसी भी पुस्तक के हों।

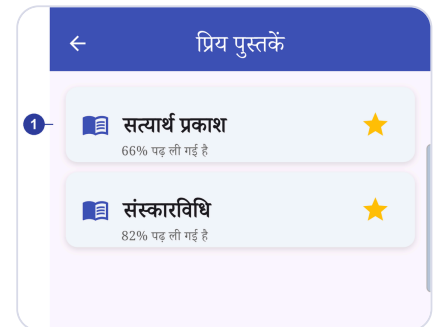
- 1 **हाइलाइट्स और नोट्स** — दोनों खाने सदा दिखते हैं। इन्हें बायें-दायें सरकाकर भी बदला जा सकता है।
- 2 **कुल गिनती**, और दायीं ओर «**चुनें**» — एक साथ कई हटाने के लिए।
- 3 **एक चिह्न** — ऊपर पुस्तक और अध्याय, नीचे वही अंश उसी रंग में। दबाते ही पुस्तक उसी स्थान पर खुल जाती है।
- 4 **रंग बदलें और हटाएँ**। नया बना चिह्न कुछ समय तक «नया जोड़ा गया» से पहचाना जाता है।



२०. प्रिय पुस्तकें

मुखपृष्ठ पर किसी पुस्तक के **तारे** को दबाते ही वह यहाँ जुड़ जाती है। जिन ग्रन्थों में आप बार-बार लौटते हैं, उन्हें यहाँ रखिए — ढूँढ़ना नहीं पड़ेगा।

- 1 **प्रिय पुस्तक** — तारा फिर से दबाने पर यहाँ से हट जाती है।



२१. पुस्तक सुनना

नीचे के अन्तिम बटन (🔊) से सुनना आरम्भ होता है। जो अनुच्छेद बोला जा रहा है वह हल्का नारंगी हो जाता है, और जो शब्द इस समय बोला जा रहा है वही गहरा उभरता है।

पन्ना अपने-आप सरकता रहता है। आप स्वयं कहीं और सरका दें तो नारंगी बटन आते हैं — «यहाँ से सुनें» और «यहाँ जाएँ»।

1 सुनने की पट्टी — पिछला अनुच्छेद · रोकें/चलाएँ · अगला अनुच्छेद · सेटिंग्स · बन्द करें।

एक अनुच्छेद पूरा होते ही अगला अपने-आप चलता है, और अध्याय पूरा होने पर अगला अध्याय।

फ़ोन बन्द (lock) करने पर भी सुनाई देता रहता है — सूचना-पट्टी में पुस्तक का नाम और चलाने-रोकने के बटन मिलते हैं।

🏠 > संस्कारविधि > (२) अथ पुंसवनम्

अथास्यै मण्डलागारच्छायायां दक्षिणस्यां नासिकायामजीतामोषधीं नस्तः करोति॥१॥

प्रजावज्जीवपुत्राभ्यां हैके॥२॥

गर्भ के दूसरे वा तीसरे महीने में वटवृक्ष की जटा वा उसकी पत्ती लेके स्त्री के दक्षिण नासापुट से सुंघावे। और कुछ अन्य पुष्ट अर्थात् गुडूच जो गिलोय वा ब्राह्मी ओषधि खिलावे।

ऐसा ही पारस्कर गृह्यसूत्र का प्रमाण है—

अथ पुंसवनं पुरा स्यन्दत इति मासे द्वितीये तृतीये वा॥

इस के अनन्तर ‘पुंसवन’ उस को कहते हैं, जो पूर्व ऋतुदान देकर गर्भस्थिति से दूसरे वा तीसरे महीने में पुंसवन संस्कार किया जाता है।

इसी प्रकार गोभिलीय और शौनक गृह्यसूत्रों में भी लिखा है।

अथ क्रियारम्भ—पृष्ठ ४ से ११वें पृष्ठ के शान्तिकरण पर्यन्त कहे प्रमाणे (विश्वानि देवः) इत्यादि चारों वेदों के मन्त्रों से यजमान और पुरोहितादि ईश्वरोपासना करें। और जितने पुरुष वहां उपस्थित हों, वे भी परमेश्वरोपासना में चित्त लगावें और पृष्ठ ७-९ में कहे प्रमाणे स्वस्तिवाचन तथा पृष्ठ ९-११ में लिखे प्रमाणे शान्तिकरण करके, पृष्ठ १२ में लिखे प्रमाणे यज्ञदेश, यज्ञशाला तथा पृष्ठ १२-१३ में लिखे प्रमाणे यज्ञकुण्ड,

1 ⏮ ⏸ ⏭ ⚙ ×

२२. सुनने की सेटिंग्स

पट्टी के गियर से यह पन्ना खुलता है।

- 1 अपने-आप आगे बढ़ें — एक अनुच्छेद पूरा होते ही अगला सुनाई देने लगे।
- 2 बोलने की गति — दायीं ओर इस समय की गति।
- 3 — और + से थोड़ा-थोड़ा, बीच की पट्टी से बहुत।
- 4 पाँच बनी-बनाई गतियाँ — बीच वाली के नीचे «सामान्य» लिखा है, वही साधारण गति है।
- 5 अक्षर का आकार — सुनते-सुनते भी बदला जा सके, इसलिए यहाँ भी रखा है।

🏠 > संस्कारविधि > (२) अथ पुंसवनम्

अथास्यै मण्डलागारच्छायायां दक्षिणस्यां नासिकायामजीतामोषधीं नस्तः करोति॥१॥

प्रजावज्जीवपुत्राभ्यां हैके॥२॥

गर्भ के दूसरे वा तीसरे महीने में वटवृक्ष की जटा वा उसकी पत्ती लेके स्त्री के दक्षिण नासापुट से सुंघावे। और कुछ अन्य पुष्ट अर्थात् गुडूच जो गिलोय वा ब्राह्मी ओषधि खिलावे।

ऐसा ही पारस्कर गृह्यसूत्र का प्रमाण है—

अथ पुंसवनं पुरा स्यन्दत इति मासे द्वितीये तृतीये वा॥

1 सुनने की सेटिंग्स ×

2 अपने-आप आगे बढ़ें
एक अनुच्छेद पूरा होते ही अगला सुनाई देने लगे ☒

3 ⚙ बोलने की गति 0.42

4 — 0.25 0.35 0.42 0.60 0.80 +
सामान्य

5 Tt अक्षर का आकार रीसेट करें

— 16 +

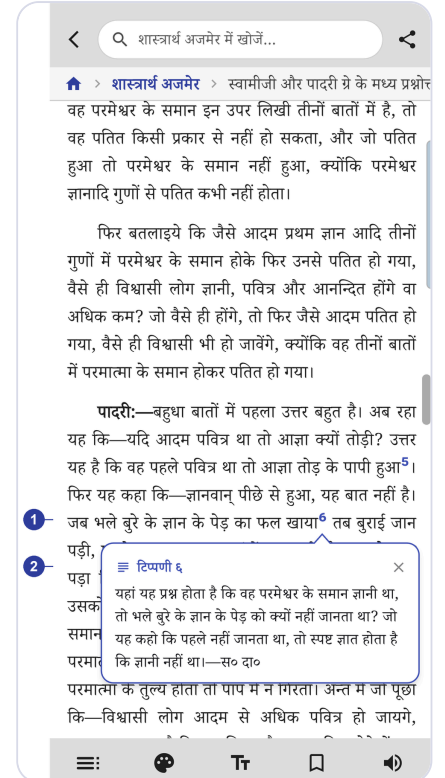
२३. टिप्पणियाँ

कुछ ग्रन्थों में शब्दों के ऊपर छोटे **इंडिगो अंक** लगे मिलते हैं — जैसे छपी हुई पुस्तक में।

उस अंक पर दबाइए — वहीं एक छोटी पेटी में उसकी टिप्पणी खुल जाएगी। अध्याय के अन्त तक जाना नहीं पड़ता, और लौटकर अपनी पंक्ति ढूँढ़नी भी नहीं पड़ती।

- 1 **टिप्पणी का अंक** — छोटा और थोड़ा ऊपर उठा हुआ।
- 2 **टिप्पणी** — पढ़कर × से बन्द कर दीजिए।

अध्याय के अन्त में सब टिप्पणियाँ एक साथ भी दी रहती हैं। वहाँ भी हर टिप्पणी का अंक इंडिगो रंग का है — उस पर दबाते ही परदा उसी स्थान पर लौट आता है जहाँ वह टिप्पणी लगी थी, और वह अंक क्षण भर के लिए झलक जाता है।

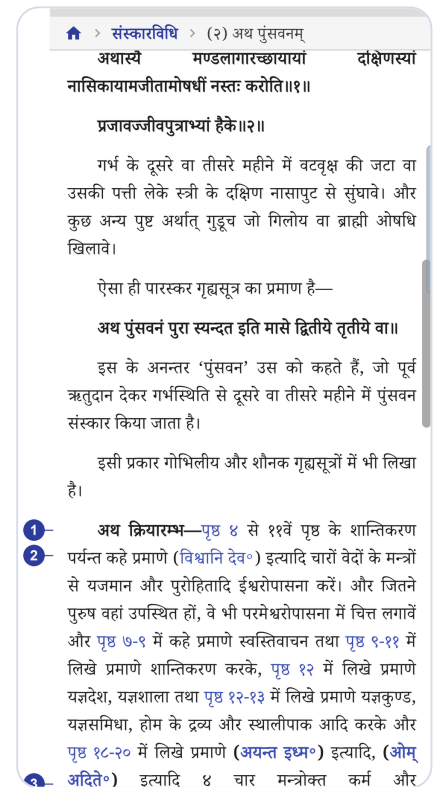


२४. सूत्र — «पृष्ठ २१ में लिखे प्रमाणे»

संस्कारविधि जैसे ग्रन्थों में बार-बार लिखा मिलता है — «पृष्ठ २१ में लिखे प्रमाणे», या मन्त्र के दो ही पद देकर आगे बिन्दी। ऐप में ये सब **इंडिगो रंग में और दबाने योग्य** हैं।

रंग एक ही है, पर काम दो प्रकार का है — और दोनों दिखने में अलग हैं, इसलिए भ्रम नहीं होता।

- 1 **पृष्ठ-संकेत** — दबाने पर नीचे से पेटी उठती है (अगला चित्र)।
- 2 **अधूरा मन्त्र** — दबाने पर वहीं छोटी पेटी में पूरा मन्त्र (आगे का चित्र)।
- 3 **आधारावाज्यभागाहुति और व्याहृति** जैसे नाम भी दबाने योग्य हैं — दबाते ही उनके मन्त्र सामने आ जाते हैं।



२५. पृष्ठ-संकेत की पेटी

«पृष्ठ २१» जैसे संकेत पर दबाते ही नीचे से पेटी उठती है, जो **ठीक उसी पृष्ठ से** आरम्भ होती है।

उसमें आगे सरकते जाइए। जहाँ बात पूरी हो जाए, पेटी बन्द कर दीजिए — आप जहाँ थे वहीं रहेंगे। संस्कार बीच में चल रहा हो तो कहीं जाना नहीं पड़ता।

1 **लक्ष्य का प्रकरण** — कौन-सा भाग खुला है।

2 **वहीं का पाठ** — सरकाकर आगे तक पढ़ा जा सकता है।

यह पेटी केवल पढ़ने के लिए है — इसमें चिह्न, नोट या सुनना नहीं चलता। वे सब उसी अंश पर मूल स्थान में तो हैं ही।

संस्कारविधि

(२) अथ पुंसवनम्

अथास्ये मण्डलागारच्छायायां दाक्षेणस्यां

नासिकायामजीतामोषधीं नस्तः करोति॥१॥

प्रजावज्जीवपुत्राभ्यां हैके॥२॥

गर्भ के दूसरे वा तीसरे महीने में वटवृक्ष की जटा वा उसकी पत्ती लेके स्त्री के दक्षिण नासापुट से सुंघावे। और

1

अथ संस्कारविधिं वक्ष्यामः

×

2

सब संस्कारों के आदि में निम्नलिखित मन्त्रों का पाठ और अर्थ द्वारा एक विद्वान् वा बुद्धिमान् पुरुष ईश्वर की स्तुति, प्रार्थना और उपासना स्थिरचित्त होकर परमात्मा में ध्यान लगाकर करे। और सब लोग उस में ध्यान लगाकर सुनें और विचारें—

॥अथेश्वरस्तुतिप्रार्थनोपासनमन्त्राः॥

ओ३म् विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परां सुव।

यद् भद्रं तन्नऽआ सुव॥१॥ —यजुः अ० ३०। मं० ३॥

अर्थ—हे (सवितः) सकल जगत् के उत्पत्तिकर्ता, समग्र ऐश्वर्ययुक्त, (देव) शुद्धस्वरूप, सब सुखों के दाता परमेश्वर ! आप कृपा करके (नः) हमारे (विश्वानि) सम्पूर्ण (दुरितानि) दुर्गुण, दुर्व्यसन और दुःखों को (परा सुव) दूर कर दीजिये। (यत्) जो (भद्रम्) कल्याणकारक गुण, कर्म, स्वभाव और पदार्थ हैं, (तत्) वह सब हम को (आ सुव) प्राप्त कीजिए॥ १॥

२६. अधूरे मन्त्र की पेटी

«(विश्वानि देव०)» जैसे अधूरे मन्त्र पर दबाते ही वहीं छोटी पेटी में पूरा मन्त्र खुल जाता है — आँख उसी पंक्ति पर टिकी रहती है।

मन्त्र वैसा ही दिखता है जैसा पन्ने पर है — मन्त्र मोटे अक्षरों में, और नीचे वेद-सूचना पतले अक्षरों में।

1 **मन्त्र की पेटी** — पढ़कर × से बन्द कर दीजिए।

संस्कारविधि

(२) अथ पुंसवनम्

अथास्ये मण्डलागारच्छायायां दाक्षेणस्यां

नासिकायामजीतामोषधीं नस्तः करोति॥१॥

प्रजावज्जीवपुत्राभ्यां हैके॥२॥

गर्भ के दूसरे वा तीसरे महीने में वटवृक्ष की जटा वा उसकी पत्ती लेके स्त्री के दक्षिण नासापुट से सुंघावे। और कुछ अन्य पृष्ठ अर्थात् गुडूच जो गिलोय वा ब्राह्मी ओषधि खिलावे।

ऐसा ही पारस्कर गृह्यसूत्र का प्रमाण है—

अथ पुंसवनं पुरा स्यन्दत इति मासे द्वितीये तृतीये वा॥

इस के अनन्तर 'पुंसवन' उस को कहते हैं, जो पूर्व ऋतुदान देकर गर्भस्थिति से दूसरे वा तीसरे महीने में पुंसवन संस्कार किया जाता है।

इसी प्रकार गोभिलीय और शौनक गृह्यसूत्रों में भी लिखा है।

अथ क्रियारम्भ—पृष्ठ ४ से ११वें पृष्ठ के शान्तिकरण पर्यन्त कहे प्रमाणे (विश्वानि देव०) इत्यादि चारों वेदों के मन्त्रों जितने

1

मन्त्र

×

ओ३म् विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परां सुव।

यद् भद्रं तन्नऽआ सुव॥१॥ —यजुः अ० ३०। मं० ३॥

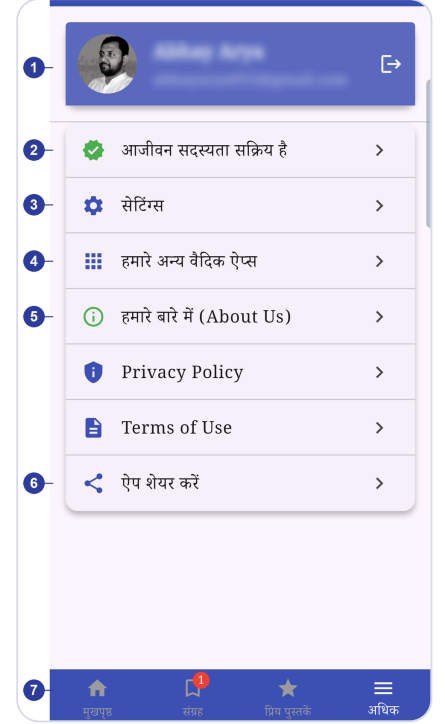
लगावें ११ में प्रमाणे

यज्ञदेश, यज्ञशाला तथा पृष्ठ १२-१३ में लिखे प्रमाणे यज्ञकुण्ड, यज्ञसमिधा, होम के द्रव्य और स्थालीपाक आदि करके और पृष्ठ १८-२० में लिखे प्रमाणे (अयन्त इध्म०) इत्यादि, (ओम् अदिते०) इत्यादि ४ चार मन्त्रोक्त कर्म और

२७. अधिक विकल्प

नीचे की पट्टी के «अधिक» से यह पन्ना खुलता है।

- 1 **आपका खाता** — नाम और ईमेल। दायें के चिह्न से साइन आउट।
- 2 **सदस्यता** — सक्रिय हो तो यहाँ हरा निशान दिखता है; न हो तो «सदस्यता लें»।
- 3 **सेटिंग्स** — भाषा, डिफॉल्ट आकार, डिफॉल्ट थीम, पूरी स्क्रीन।
- 4 **हमारे अन्य वैदिक ऐप्स** — वेद संग्रह, पुस्तकम्, चरक संहिता।
- 5 **हमारे बारे में** — उद्देश्य, विशेषताएँ और संपर्क।
- 6 **ऐप शेयर करें** — किसी को ऐप भेजने के लिए।
- 7 **नीचे की पट्टी** — «संग्रह» पर लाल अंक तब आता है जब कुछ नया बना हो।

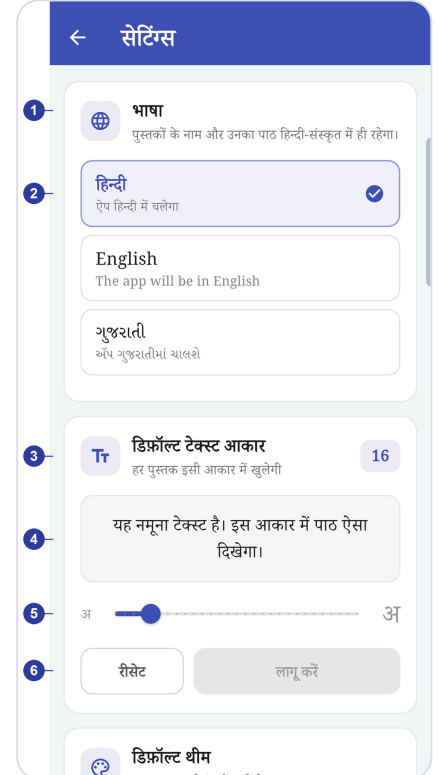


२८. सेटिंग्स — भाषा और अक्षर

भाषा बदलने से ऐप के बटन और सूचनाएँ उसी भाषा में हो जाती हैं। पुस्तकों के नाम और उनका पाठ सदा हिन्दी-संस्कृत में ही रहता है।

डिफॉल्ट टेक्स्ट आकार वह आकार है जिसमें हर पुस्तक खुलेगी। ऊपर नमूना दिखता रहता है, इसलिए चुनने से पहले ही रूप दीख जाता है।

- 1 **भाषा।**
- 2 **हिन्दी · English · ગુજરાતી** — जो चुनी हुई है उस पर सही का निशान।
- 3 **डिफॉल्ट टेक्स्ट आकार**, दायीं ओर इस समय का आकार।
- 4 **नमूना** — इसी आकार में पाठ ऐसा दिखेगा।
- 5 **सरकने वाली पट्टी**।
- 6 **रीसेट और लागू करें** — «लागू करें» तभी जगता है जब कुछ बदला हो।



२९. सेटिंग्स — थीम और पूरी स्क्रीन

डिफॉल्ट थीम वह रंग है जिसमें हर पुस्तक खुलेगी।

पढ़ते समय पूरी स्क्रीन चालू हो तो पढ़ते समय ऊपर-नीचे की पट्टियाँ छिप जाती हैं और पूरा परदा पाठ को मिलता है। परदे पर कहीं भी टैप करते ही वे लौट आती हैं।

- 1 **डिफॉल्ट थीम।**
- 2 चार रंग — सफ़ेद, पीली, हरी, गहरी।
- 3 **पढ़ते समय पूरी स्क्रीन** — दायीं ओर का बटन दबाकर चालू-बन्द कीजिए।

यहाँ «बंद» और «चालू» दोनों का चित्र साथ-साथ दिखाया गया है, जिससे अन्तर पहले ही समझ आ जाए।

ध्यान रहे — इससे **कोई सुविधा हटती नहीं**। पट्टियाँ केवल कुछ देर के लिए ओझल होती हैं।



३०. सदस्यता

ऐप की सब पुस्तकें और सब सुविधाएँ सदस्यता में उपलब्ध हैं। सदस्यता सक्रिय हो तो यहाँ ऊपर हरा-सुनहरा कार्ड दिखता है।

नीचे «**प्रीमियम सदस्यता के लाभ**» में एक-एक करके सब सुविधाएँ गिनाई गई हैं।

नया फ़ोन लेने पर या ऐप फिर से चढ़ाने पर «**खरीदारी पुनर्स्थापित करें**» दबाइए — पुरानी सदस्यता उसी खाते से लौट आती है।

सदस्यता देखने या रोकने का काम Google Play / App Store से ही होता है; उसका बटन भी यहीं दिया है।



३१. हमारे बारे में

यहाँ ऐप का उद्देश्य, मुख्य विशेषताएँ और संपर्क का पता मिलता है।

कोई प्रश्न, सुझाव या समस्या हो तो नीचे दिए WhatsApp या ईमेल पर अवश्य लिखिए — ऐप आप ही के सुझावों से बनता जा रहा है।

← हमारे बारे में



दयानन्द ग्रन्थमाला

वैदिक ज्ञान का डिजिटल संग्रह

📄 हमारा उद्देश्य

दयानन्द ग्रन्थमाला ऐप का उद्देश्य महर्षि दयानन्द सरस्वती जी द्वारा रचित एवं संबंधित समस्त ग्रन्थों, पुस्तकों एवं वैदिक साहित्य को डिजिटल रूप में सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सभी के लिए सुलभ बनाना है।

धीरे-धीरे इस ऐप में महर्षि दयानन्द जी से संबंधित सभी प्रमुख ग्रन्थ उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वैदिक ज्ञान का व्यापक प्रसार हो सके और समाज इससे लाभान्वित हो।

✦ मुख्य विशेषताएँ

 महर्षि दयानन्द जी के ग्रन्थों का डिजिटल संग्रह

 पढ़ने में सरल एवं स्पष्ट पाठ

 सभी पुस्तकों में एक साथ खोज

 एक पुस्तक के भीतर खोज

 खोज से सीधे उसी स्थान

 मनचाहे अंग चिह्नित

३२. हमारे अन्य वैदिक ऐप्स

इसी परिवार के दूसरे ऐप — **वेद संग्रह** (चारों वेदों के सस्वर मन्त्र, पदपाठ और भाष्य), **पुस्तकम्** (विविध शास्त्रों और ग्रन्थों की ई-लाइब्रेरी), और **चरक संहिता** (चक्रपाणि टीका सहित)।

← हमारे अन्य वैदिक ऐप्स



वेद संग्रह

चारों वेद के सस्वर मन्त्र, पदपाठ और भाष्यों का संग्रह

INSTALL



पुस्तकम्

विविध शास्त्रों, ग्रन्थों और पुस्तकों का विशाल ई-लाइब्रेरी संग्रह

INSTALL



चरक संहिता

आयुर्वेद के आदि ग्रन्थ चरक संहिता का चक्रपाणि टीका सहित संग्रह

INSTALL

३३. कुछ काम की बातें

सब कुछ फ़ोन में ही है। एक बार ऐप चढ़ जाने पर पढ़ने, खोजने, चिह्न लगाने और सुनने — किसी के लिए इंटरनेट नहीं चाहिए। केवल अनुवाद के लिए चाहिए।

अक्षर का आकार आपका ही रहता है। फ़ोन की अपनी font-size सेटिंग से ऐप के अक्षर नहीं बदलते — आकार वहीं से बदलेगा जहाँ से आपने चुना है।

चिह्न और नोट फ़ोन में सुरक्षित रहते हैं। ऐप बन्द करने या फ़ोन बन्द करने से कुछ नहीं जाता।

एक चयन = एक चिह्न। चयन चाहे कई अनुच्छेदों में फैला हो, सूची में वह एक ही पंक्ति बनकर आता है, और एक ही बार में हट भी जाता है।

भूल से हट जाए तो? हटाते ही नीचे «पूर्ववत् करें» आता है — तुरन्त दबा दीजिए।

पढ़ी हुई जगह अपने-आप सँभलती है। पुस्तक फिर खोलने पर वहीं से आरम्भ होगी।

ऐप अभी तक न हो तो यहीं से ले लीजिए — नीचे के किसी भी बटन पर दबाइए।



दोनों बटन सीधे स्टोर पर ले जाते हैं। ऐप निःशुल्क डाउनलोड होता है।
